

**Production of Steel in Public Sector Plants**

6579. SHRI P. M. MEHTA :  
SHRI SHRIKRISHAN MODI :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) the total steel production in the three Public Sector Plants in the current year *vis-a-vis* last year;

(b) whether there has been any increase in steel production during the respective years; and

(c) if so, the main particulars thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) The total steel production in the three Public Sector Steel Plants in terms of steel ingot and saleable steel during the years 1970-71 and 1971-72 was as under :

	(In '000 tonnes)	
	1970-71	1971-72
Steel Ingot	3612	3476
Saleable Steel	2645	2598

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

**Public Sector Undertakings under Ministry of Steel and Mines**

6580. SHRI KRISHNA CHANDRA PANDEY : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) the names of public sector undertakings under his Ministry;

(b) the dates on which they were started and their initial capital investment;

(c) the amount of loss/profit in each undertaking during 1969-70, 1970-71 and 1971-72; and

(d) the measures Government have taken to avoid further losses ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN) : (a) to (d). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

**सामान की खरीद के बारे में विज्ञापन**

6581. श्री विश्वसि मिश्र : क्या पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की ओर से जिन चीजों की खरीद होती है उन चीजों की सप्लाई के लिए विभिन्न जिलों में उनकी सूचना विज्ञापन के जरिये प्रकाशित नहीं की जाती है; और

(ख) यदि हाँ, तो इस मामले में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है ?

पूर्ति मंत्री (श्री डी० आर० चव्हाण) : (क) और (ख). पूर्ति और निपटान महानिदेशालय के माध्यम से विविध प्रकार का जो भी माल खरीदा जाता है, उसके लिए टेंडर-पूछताछ भारतीय व्यापार पत्रिका में प्रकाशित की जाती है, जोकि एक अखिल भारतीय साप्ताहिक पत्रिका है और वाणिज्य, आसूचना तथा सांख्यिकीय महा निदेशक, कलकत्ता द्वारा निकाली जाती है। यह पत्रिका देश के व्यापार और उद्योग के विभिन्न वर्गों में बहुत प्रचलित है। कुछ मामलों में, हालांकि ये बहुत कम है, जहाँ प्रचार की अधिक जरूरत समझी जाती है, वहाँ टेंडर-सूचनाएँ, विज्ञापन तथा दृश्य-प्रचार महानिदेशालय के माध्यम से समाचार-पत्रों में भी प्रकाशित की जाती है। इसके अनिश्चित, टेंडर सेटों की प्रतियाँ राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम तथा राज्यों के उद्योग-निदेशकों को भी विभिन्न जिला-नगरों आदि में स्थित संबंधित लघु-उद्योग युनिटों को बाँटने के लिए भेजी जाती है।

चम्पारन जिले में बंगला देश के शरणार्थियों द्वारा भूमि का बेचा जाना

6582. श्री विश्वसि मिश्र : क्या अन्न और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बंगला देश की स्वतंत्रता से